अनूठे काम

(कहानी)

2

मगनू एक ग़रीब मछुआरा था। एक दिन उसके जाल में एक बहुत बड़ी मछली फँस गई। मगनू बड़ा ख़ुश हुआ। उसने आज तक कभी इतनी बड़ी मछली नहीं पकड़ी थी। वह ख़ुशी-ख़ुशी मछली को कंधे पर लादकर तेज़ी से अपने घर की ओर चल दिया। तभी दो सिपाहियों ने उसका रास्ता रोक लिया। उन्होंने कड़क आवाज़ में कहा, "अरे मछुआरे, इतनी बड़ी मछली का तू क्या करेगा? यह तो शाही बावर्चीख़ाने में जानी चाहिए।"

मगनू ने गिड़गिड़ाकर कहा, "नहीं भैया, ऐसा मत करो। मैं अपनी पत्नी को यह उपहार में देना चाहता हूँ ताकि वह मेरे दोनों छोटे-छोटे बच्चों और हम दोनों के लिए बढ़िया भोजन बनाकर दे सके।" लेकिन सिपाहियों ने उसकी एक न सुनी। वे मगनू को मछली सहित पकड़कर राजा के पास ले गए।

महल में पहुँचकर उन्होंने राजा से कहा, "महाराज! यह धृष्ट मछुआरा शाही रसोई के लिए मछली नहीं दे रहा था, अपनी पत्नी के लिए ले जा रहा था...।" मगनू घबरा गया। वह राजा के सामने साष्टांग दंडवत् करके उनसे क्षमा माँगने लगा। राजा निर्दयी था। उसने कहा, "मैं तुम्हें क्षमा कर सकता हूँ। लेकिन तभी, जब तुम कुछ अनूठा काम करके दिखाओ।"

मगनू ने पूछा, "कैसा अनूठा काम, महाराज!"

राजा ने कहा, "जैसे... जैसे.... तुम एक साथ रोकर और हँसकर दिखाओ। जाओ तुम्हें एक दिन का समय देता हूँ, कल आना और यह काम करके दिखाना।" सभी दरबारी मन-ही-मन ख़ूब हँस रहे थे। भला कोई इंसान हँसने और रोने का काम एक साथ कैसे कर सकता है?

मगनू उदास मन से घर पहुँचा। पत्नी ने उसे ख़ाली हाथ और मुँह लटकाए हुए देखा तो पूछा, "क्या बात है, आज बहुत उदास लग रहे हो?" मगनू ने सारी बात बता दी। उसकी पत्नी बुद्धिमती थी। उसने कहा, "चिंता मत करो, यह तो बहुत आसान काम है ....।" और उसने मगनू को उपाय बता दिया।

अगले दिन मगनू महल में जा पहुँचा। राजा का अभिवादन करके उसने कहा, "महाराज! मैं अब आपको वह अनूठा काम करके दिखाता हूँ।" कहकर उसने थैले से एक बड़ा-सा प्याज़ निकाला और उसे हाथों से दबाकर फोड़ दिया। प्याज़ के फटने पर मगनू की आँखों से झरझर आँसू बहने लगे। उसी समय उसने ठहाके मारकर हँसना शुरू कर दिया। जो दरबारी कल उसका मज़ाक उड़ा रहे थे, वे ही आज तालियाँ बजाकर उसकी सूझबूझ की सराहना करने लगे। मगनू ने सचमुच अनूठा काम कर दिखाया।

इस बार राजा ने कहा, "भाई, तुम्हें मान गए। बस एक बार अपनी बुद्धिमानी का नमूना और दिखाओ। कल हमें तुम ऐसी कहानी सुनाओ, जो हम कभी भूल न सकें।" मगनू ने घर आकर पत्नी को राजा के नए सवाल के बारे में बताया। पत्नी ने उसे कहानी बता दी। अगले दिन मगनू राजदरबार में हाज़िर हुआ और बोला, "महाराज! सुनिए न भूलने वाली कहानी। एक अमीर था। उसके पास दस हज़ार सोने की मोहरें और दस हज़ार चाँदी की मोहरें थीं। साथ ही हज़ारों ताँबे के सिक्के

थे। एक दिन घोड़े पर सवार होकर घर लौटते समय उसने सड़क पर पड़ा एक ताँबे का सिक्का देखा। घर पहुँचते ही उसने अपने कई सेवकों को वह सिक्का ढूँढ़कर लाने को भेज दिया।" राजा ने बीच में ही टोकते हुए चिल्लाकर कहा, "क्या बकवास करते हो? इतना अमीर आदमी एक ताँबे के सिक्के के पीछे क्यों भागेगा?"

मगनू ने झट से कहा, "महाराज! वैसे ही जैसे आप जैसा सम्राट् शाही रसोई के लिए एक ग़रीब की मछली के पीछे अपने सैनिक दौड़ा देता है....।"

राजा का सिर शर्म से झुक गया। उसने कहा, "हमें तुम्हारा जवाब पसंद आया। तुम्हें तुम्हारी बुद्धिमानी और मछली की पूरी क़ीमत मिलेगी।" यह कहकर राजा ने मगनू को सौ सोने की मोहरों से भरी थैली इनाम में दिलवाई। मगनू ख़ुशी-ख़ुशी घर लौट आया।

शब्द-अर्थ

बावर्चीख़ाना — रसोईघर *(kitchen)*,
साष्टांग दंडवत् — ज़मीन पर लेटकर प्रणाम,
ठहाके मारकर हँसना — ज़ोर-ज़ोर से हँसना *(laugh loudly)*,
शर्म — लज्जा *(sky)*।
धृष्ट — दुष्ट, बुरा *(bad)*,
अनूठा — अनोखा *(strange)*,
सम्राट् — राजाओं का राजा *(king)*,

अभ्यास

मौखिक

1. इन शब्दों को पढ़कर सुनाइए–

मछुआरा	शाही	दंडवत्	निर्दयी
बुद्धिमानी	बकवास	सम्राट्	शर्म

2. निम्नलिखित प्रश्नों के मौखिक उत्तर दीजिए–

(क) मगनू कौन था?

(ख) मगनू को सिपाहियों ने क्यों रोका?

(ग) सिपाही मगनू को कहाँ ले गए?

लिखित

1. सही उत्तर पर (✓) का निशान लगाइए–

(क) मगनू ने क्षमा माँगी–

☐ सिपाहियों से ☐ राजा से ☐ पत्नी से
☐ किसी से नहीं

(ख) राजा था–

☐ दयालु ☐ मजबूर ☐ निर्दयी
☐ लालची

(ग) राजा ने मगनू को करने को कहा–

☐ एक साथ रोना और हँसना ☐ हिमालय की चोटी पर चढ़ना
☐ नदी पार करके दिखाना ☐ हाथी को पकड़कर राजदरबार में लाना

2. किसने कहा, किससे कहा–

		किसने कहा		किससे कहा	
(क)	"यह तो शाही बावर्चीख़ाने में जानी चाहिए।"	.....	ने	.....	से
(ख)	"जाओ, तुम्हें एक दिन का समय देता हूँ।"	.....	ने	.....	से
(ग)	"क्या बात है, आज बहुत उदास लग रहे हो?"	.....	ने	.....	से
(घ)	"वैसे ही जैसे आप जैसा सम्राट् शाही रसोई के लिए एक ग़रीब की मछली के पीछे अपने सैनिक दौड़ा देता है।"	.....	ने	.....	से

3. पाठांश पढ़कर उत्तर लिखो–

अगले दिन मगनू राजदरबार में हाज़िर हुआ और बोला, "महाराज! सुनिए न भूलने वाली कहानी। एक अमीर था। उसके पास दस हज़ार सोने की मोहरें और दस हज़ार चाँदी की मोहरें थीं। साथ ही हज़ारों ताँबे के सिक्के थे। एक दिन घोड़े पर सवार होकर घर लौटते समय उसने सड़क पर पड़ा एक ताँबे का सिक्का देखा। घर पहुँचते ही उसने अपने कई सेवकों को वह सिक्का ढूँढ़कर लाने को भेज दिया।"

(क) अमीर आदमी के पास सोने और चाँदी की कितनी-कितनी मोहरें थीं?

.....

(ख) सड़क पर क्या पड़ा था?

.....

(ग) अमीर आदमी ने घर पहुँचते ही क्या किया?

.....

4. अधिकतम शब्दों में–

(क) सिपाही मगनू को राजा के पास क्यों ले गए?

.....

(ख) मगनू ने एक साथ हँसने व रोने के लिए क्या किया?

.....

(ग) मगनू ने राजा को कौन-सी कहानी सुनाई? लिखिए।

.....

(घ) राजा ने कहानी के बीच में मगनू को क्यों टोका?

.....

भाषा-ज्ञान

1. ऋ स्वर है। इसकी मात्रा (ृ) है; जैसे–धृष्ट। यह मात्रा के रूप में व्यंजन के नीचे लगती है।

ऋ की मात्रा (ृ) से युक्त कुछ शब्द लिखो–

....

....

2. कुछ शब्द समान अर्थ वाले प्रतीत होते हैं, किंतु उनमें सूक्ष्म अंतर होता है। ऐसे ही कुछ शब्द नीचे दिए जा रहे हैं। इन्हें ध्यानपूर्वक पढ़िए–

पत्नी — किसी पुरुष की विवाहिता स्त्री

महिला — सामान्य स्त्री

राजा — साधारण राजा

सम्राट् — राजाओं का राजा

आदेश — जिस आज्ञा का पालन अनिवार्य हो

निर्देश — आज्ञा देना

शर्म — ग़लती करने पर दूसरों से मुँह छिपाना

संकोच — दबाव के कारण कर रहे ग़लत कार्य पर हो रही ग्लानि

क्रियात्मक गतिविधि

- प्याज़ को काटने पर आँसू क्यों आते हैं? अपने विज्ञान के अध्यापक/अध्यापिका से पूछो और सही कारण लिखो।
- कोई ऐसी कहानी कक्षा में सुनाओ जो आपको बचपन में आपकी दादी या नानी ने सुनाई हो और आपको अब भी याद हो।
- भारत में सोने के सिक्कों का प्रचलन कब बंद हुआ?